milk lollies popular aerated soft drinks, synthetic syrups, sharbats and not Milk-based products/Dairy products; and

(e) what steps Government propose to take to defer the implementation of the Notification and order its thorough review by expert bodies like CFTRI?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. C. SILVERA): (a) The news item dated 24.7.95 on the subject has come to notice.

(b) The Central Food Technological Research Institute, Mysore was represented on one of the Committees which examined the subject of food colours.

(c) Use of permitted synthetic colours in specified food items upto the prescribed limits does not lead to cancer or any other disease.

(d) Technological necessity and traditional asthetic appeal are taken into consideration while permitting use of edible colours upto prescribed limits.

(e) In the light of the representations received, Government have decided to defer the proposed ban to be effective from 6th September, 1995 to enable re-examination of the representations by the technical experts.

केन्द्रीय नमक और समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान

1699. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोलाः** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या केन्द्रीय नमक और समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान, भावनगर, गुजरात ने समुद्री जल का खारापन दूर करने संबंधी थिन फिल्म कम्पोजिट मैम्ब्रेन प्रौद्योगिकी विकसित करने में विश्व में तीसरा स्थान बना लिया है;

(ख) यदि हां, तो इसकी मुख्य बातें क्या हैं;

(ग) समुद्री जल के खारेपन को दूर करने के लिए इस तकनीक को और अधिक विकसित करने के लिए सरकार द्वारा और क्या कदम उठाए जाने का विचार है;

(घ) क्या सरकार द्वारा इस संस्थान को अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री और परमाणु ऊर्जा तथा अंतरिक्ष विभाग में राज्य मंत्री तथा विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भुवनेश चतुर्वेदी): (क) सीएसआईआर का एक घटक यूनिट केन्द्रीय नमक और समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान (सीएसएमसीआरआई), भावनगर विश्व में यह क्षमता हासिल करने वाले कुछ संस्थानों में से एक है।

(ख) थिन फिल्म कम्पोजिट (टीएफसी) मैम्ब्रेन्स को दो भिन्न पालिमरों के प्रयोग से दो चरणों में बनाया जाता है। प्रथम चरण में, एक प्रबलित सुक्ष्मरंध्री मेम्ब्रेन बनाया जाता है। तत्पश्चात् अंतरापृष्ठीय बहुलकीकरण तकनीक के द्वारा दूसरे पालीमर की एक पतली पर्त (500-2000ए) चढ़ाई जाती है। थिन फिल्म कम्पोजिट का प्रयोग सिंगल पस समुद्री जल विलवणीकरण के लिए किया जाता है, इनमें उच्च पृथक्कन और जल प्रवाहकता होती है।

जल के विलवणीकरण के अतिरिक्त टीएफसी मेम्ब्रेन्स का प्रयोग अनेक पृथक्कन और सान्द्रण उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। इनका प्रयोग रसायन, भेषजीय और जैव प्रौद्योगिकीय उद्योगों में किया जा सकता है। इन मेम्ब्रेन्स का प्रयोग औद्योगिक निस्सारी उपचार के माध्यम से प्रदूषण नियंत्रण के लिए किया जा सकता है।

(ग) समुद्री जल के नमक-सांद्रण के अनुरूप नमक के सांद्रण से समुद्री जल के विलवणीकरण द्वारा प्रयोगशाला स्तर पर ताजा पानी प्राप्त करने के लिए टीएफसी मेम्ब्रेन्स का सफल परीक्षण किया गया है। अधिक क्षमता वाले विलवणीकरण संयंत्रों के लिए सर्पिल विन्यास में टीएफसी मेम्ब्रेन्स की आवश्यकता होगी जिसका दीर्घकालिक निष्पादन के लिए परीक्षण किया जा रहा है। 35000 पीपीएम सोडियम क्लोराइड घोल से 500-600 भाग प्रति मिलियन की रेंज में घुले ठोसों वाला पेयजल प्राप्त करने के लिए वाणिज्यिक स्तर के संयंत्रों हेतु 30 सेमी (लम्बाई)×6.5 सेमी (व्यास) से 100 सेमी (लम्बाई)×10 सेमी (व्यास) के आकार

में सर्पिल अवयवों को बढ़ाने के लिए प्रयोगशाला में मूलभूत अवसंरचना तैयार की जा रही है।

(घ) और (ङ) सीएसआईआर की सामान्य वित्तीय सहायता के अतिरिक्त विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने भी इस परियोजना के लिए 21.341 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है जिसमें से 16.740 लाख रुपए ही जारी किए जा चुके हैं।

Subsidy to Nuclear Power Corporation

1700. SHRI F. BALANANDAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether any subsidy is granted to Nuclear Power Corporation employees;

(b) whether it has also been extended to the deputationists; and

(c) if not, whether it is a violation of basic principles of equal pay for equal work?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI):(a) Canteen subsidy @Rs. 200 per month is being paid to the eligible employees of the Nuclear Power Corporation of India Limited.

(b) No, Sir.

(c) It is not applicable to deputationists as per the service conditions. This issue is now pending before the Central Administrative Tribunal.

Payment due for use of IAF aircrafts

1701. SHRI SATISH AGARWAL:
DR. RANBIR SINGH:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether this is a fact that an amount of Rs. 8,29,63,833/- has not yet been paid by the Prime Minister which is due from him on account of the use of IAF Aircrafts/Helicopters for his unofficial tours;. and

(b) the action initiated by the Ministry to recover the amount?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI MALLIKARJUN): (a) and (b) An amount of Rs. 2. crores has been realised in the month of July 1995. Efforts are being made to collect the balance amount outstanding.

Facilities to Medical Officers/Scientists

1702. SHRI JALALUDIN ANSARI: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government have extended the benefits as enjoyed by the Group A Medical Officers and Medical Scientists working under Central Health Scheme to Non-Medical Scientists and Technical Officers;

(b) whether Government have directed the Central Councils for Research in Ayurveda, Siddha, Unani Medicine, Homoeopathy, Yoga and Naturopathy to extend these benefits to their non-medical scientists after getting approval from their Governing Bodies, if so, the details thereof;

(c) whether it has been implemented;

(d) if so, the details thereof; and

(e) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. C. SILVERA): (a) While there is no separate category of Medical Scientists in Central Health Services, Group 'A' Medical Officers of Central Health Services and Non-Medical Scientists/ Technical Officers are distirct categories of employees with different modes of recruit job requirement, eligibility for promotion etc. However, benefit like academic and research pursuit allowance (Contingency allowance, higher degree allowance and conveyance allowance enjoyed by Group Medical Officers of Central Health Service are admissibile to